31 वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में बिहार की काराओं में निर्मित उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली में प्रत्येक वर्ष आयोजित होनेवाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का आयोजन भारत के औद्योगिक प्रगति को दर्शाने और उसे बढ़ाने के मंच के रुप में लिया जाता है। प्रगति मैदान, नई दिल्ली में मेले के 31 वें वर्ष में प्रथम बार बिहार पवेलियन में बिहार राज्य के काराओं में अधिष्ठापित निर्माणशालाओं में कारा संसीमित बंदियों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी सह विक्रय स्टॉल लगाया गया है। बंदियों द्वारा अपने श्रम से कारा प्रशासन के **''भटकाव कोई अपराध नहीं और सुधार हमारा प्रयास है''** उक्ति को चरितार्थ करने का प्रयास किया जाता रहा है। राज्य के कई काराओं में अधिष्ठापित निर्माणशालाओं में बंदी वस्त्र, टेन्ट एवं उपस्कर, तिरपाल, झाड़न, दरी, साबुन, गार्डेन अम्ब्रेला, कंबल, फिनाईल इत्यादि निर्मित किये जाते हैं। वर्ष 2009–10 में 10.67 करोड़ रूपये तथा 2010–11 में 11.20 करोड़ रूपये राजस्व की प्राप्ति कारा विभाग को हुई है, जो कारा इतिहास में अबतक की सर्वाधिक उपलब्धि है।

2. अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला प्रगति मैदान के बिहार पवेलियन में गृह (कारा) विभाग के स्टॉल पर केन्द्रीय कारा, बक्सर में निर्मित कालीन, गार्डेन अम्ब्रेला, ''परिवर्तन चादर'', रस्सी, दू–सूती कपड़ा, दू–सूती चादर, आसनी, दरी, ''हनी कॉम्ब गमछा'' एवं हस्त निर्मित काष्ठ उत्पाद और शहीद जुब्बा सहनी केन्द्रीय कारा, भागलपुर में निर्मित कम्बल, दू–सूती कपड़ा, बर्तन एवं हस्त निर्मित काष्ठ उत्पादों की सर्वाधिक बिक्री बिहार पवेलियन में अभी तक दर्ज की गयी है। इस व्यापार मेला में बिहार के काराओं में निर्मित सामग्रियों को लोगों द्वारा काफी पसंद एवं सराहना किया जा रहा है। इस व्यापार मेले में कारा में निर्मित उत्पादों की बिक्री दिनांक 17.11.2011 तक चार लाख रुपये से अधिक राशि के उत्पादों की बिक्री हो चुकी है। अत्यधिक माँग को देखते हुए बिहार की काराओं से और अधिक सामग्रियाँ दिल्ली भेजी जा रही है।